कौलेक्ट

हे सर्व शक्तिमान परमेश्वर, हम यह विश्वास करते हैं कि आपका एकलौता पुत्र, हमारे प्रभु येशु मसीह स्वर्ग में उठाए गए। हम पर दया कीजिये और हमें यह वर दीजिये कि हम अपने मन तथा हृदय के स्वर्ग से उठाए जाएँ, और निरंतर उनके साथ रह सकें; उन्ही के द्वारा, जो आपके और पवित्र आत्मा के साथ एक परमेश्वर है, और अब तथा सदा-सर्वदा जीवित और राज्य करते हैं। **आमीन।**

Please pray for our church family members who are in need of your prayer support:

Ms. Sanjivani Agarwal, Master Isaiah, Mr. Eugene Samuel, Rev. G H Grose, Mrs. Hilda Immanuel, Ms. Shiela Choudhary, Mr. Dalip Kumar Ghosh, Mrs. E. S. Ruskin, Mr. Neelu Joseph, Ms. Mellisa Dass, Mrs. Virginia Sen, Mr. Suresh Kukde, Mrs. Jyotika Suraj, Mrs. Savitri, Mrs. Cynthia Nathaniel, Mr. Samuel Robert, Mr. Raphael Satyavrata, Mr. Emmanuel Soren and Mrs. Sheela Singh. Pray for the relief from the corona virus around the globe.

BIRTHDAYS & ANNIVERSARIES	
24th May	Daniel Swarup, Mr. & Mrs. B. Daniels
25th May	Rashmi Hewitt, Rosemary Joyce, Mr. & Mrs. Akhil James
26th May	V. Paul C. Charlesraj, Mr. & Mrs. George Daniel
27th May	Monika James
28th May	Arnika Dass
29th May	Leela A. Dinesh, Yuval James

NOTICES

GREEN PARK FREE CHURCH

CNI, Diocese of Delhi,

A-24 Green Park, New Delhi-110016

पुनरुस्थान-पर्व के पश्चात छठवां रविवार

24 मई 2020

हमारी महिमापूर्ण नियति (अंत) का चिन्ह: प्रभु येशु मसीह का स्वर्गारोहण।

Presbyter-in-Charge	Associate Presbyter	Hon Secretary	Hon Treasurer
Rev Dr Paul Swarup 9811397771	**Rev. Vishal R. Paul** 9313912594, 8700784065	**Mr. Dennis Singh** 9811269792, 8700319032	**Mrs. Kiran Mohan** 9811477154

Regular Sunday Service

Hindi: 8:30 a.m., English: 10:30 a.m., Evening Worship: 5:30 p.m.

Church Office: 011– 42637508, 26561703,

gpfc.delhi@gmail.com, officegpfc@gmail.com

PLEASE SWITCH OFF YOUR MOBILE PHONES WHILE IN THE CHURCH

Pastor Writes

इस समय हम लॉकडाउन 4.0 में हैं और हालांकि बहुत सारी चीजों को खोल दिया गया है। वायरस अभी भी आसपास है। प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा जमीन पर किए गए किसी भी वास्तविक काम के बजाय राजनीति और प्रकाशिकी के साथ बुरे से बदतर होती जा रही है। मामले की संख्या एक लाख को पार कर गई है और मरने वालों की संख्या लगभग चार हजार है। मौत और बीमारी को पकड़ने का डर अभी भी लोगों के मन में है। यह इस बीच में है कि हम अपने प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के पुनरुत्थान के बाद 40 वें दिन को मनाते हैं।

यीशु ने कई अवसरों पर शिष्यों से बात की थी कि उन्हें कष्ट सहना होगा और मरना होगा और वो फिर तीसरे दिन फिर से जी उठेगा। उसने उन्हें यह भी बताया था कि उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से उसकी महिमा होगी। यह उनकी मृत्यु और पुनरुत्थान के माध्यम से है कि यीशु शाश्वत जीवन देता है। जॉन इस प्रकार वर्णन करता है, ***"और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जाने।"*** परमेश्वर ने यीशु को उन सभी को शाश्वत जीवन देने का अधिकार दिया था जिन्हें उसने उसे दिया था। परमेश्वर और यीशु का व्यक्तिगत ज्ञान वह है जो हमारे अंतिम नियति को तय करने वाला है। मुख्य प्रश्न यह है, "क्या हम यीशु को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता के रूप में जानते हैं?" यह यीशु मसीह का व्यक्तिगत ज्ञान है जो हमारे भविष्य को सुरक्षित करेगा। इस ज्ञान के लिए विश्वास करने की आवश्यकता है और जानने और विश्वास एक साथ चलते हैं। इसलिए, यहां तक कि मृत्यु के बीच भी हम निश्चिंत हो सकते हैं कि हमारे लिए एक शाश्वत भविष्य है जहाँ न कोई बीमारी होगी और न कोई दुःख।

यीशु ने परमेश्वर को हमारे सामने प्रकट किया क्योंकि वह मानव रूप में आया था। जो यीशु पर विश्वास करते थे, वे वही थे जो पिता ने उन्हें दिए थे। यीशु के अनुयायी के शब्दों के आज्ञाकारी थे| यीशु कहते हैं, ***"मैं ने तेरा नाम उन मनुष्यों पर प्रगट किया जिन्हें तू ने जगत में से मुझे दिया: वे तेरे थे और तू ने उन्हें मुझे दिया और उन्होंने तेरे वचन को मान लिया है।"*** 'नाम' के चरित्र को प्रकट करने के लिए है। यीशु के माध्यम से हम के चरित्र को समझ सकते हैं। मोक्ष से संबंधित परमेश्वर के वचन शिष्यों को दिए गए थे और उन्होंने उन शब्दों को पिता से स्वीकार कर लिया था। यीशु ने उन्हें याद दिलाया कि वह पिता के पास वापस जा रहा था।

यीशु तब चेलों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता है। इस बिंदु पर वह पूरी दुनिया के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए प्रार्थना कर रहा है जो विश्वास में उसका उत्तर देते हैं। जिन लोगों ने यीशु पर विश्वास किया है वे पिता के हैं। यीशु पिता के नाम की शक्ति के माध्यम से अपने शिष्यों की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करता है। दूसरे शब्दों में, पिता के चरित्र के माध्यम से, उनकी रक्षा की जाएगी। जिस तरह मसीह ने खुद को पवित्र किया, इसलिए वह चाहता है कि उसके चेलों को पवित्र किया जाए - अलग किया जाए। कहते हैं, "मैं पवित्र हूं, पवित्र रहो।" मसीह चाहता है कि उसके अनुयायियों को एक समूह के रूप में संरक्षित किया जाए, लेकिन के स्वयं के अधिकार के रूप में दुनिया से अलग कर दिया जाए।

आज के संदर्भ में हमारे लिए चुनौती विशिष्ट और अलग होना है। यदि हम परमेश्वर के पवित्र लोग हैं तो हमें अपने राष्ट्र के वास्तविक मुद्दों से जुड़ने के लिए कहा जाता है। हम निष्क्रिय दर्शक नहीं हो सकते। जैसा कि हम प्रवासी संकट को प्रकट करते हैं और जैसा कि हम भोजन के लिए गरीब हताश देखते हैं, चर्च को इन मुद्दों के साथ जुड़ने के लिए कहा जाता है। जबकि मृत्यु का भय वास्तविक हो सकता है, हमें विश्वास है कि कब्र से परे जीवन शाश्वत है। इसलिए हम इस बात के लिए हिम्मत जुटाते हैं कि आरोहण के बाद एक गौरवशाली भाग्य है जो हमारा इंतजार करता है। हमें परमेश्वर की सुरक्षा का आश्वासन दिया जा सकता है क्योंकि यीशु स्वयं हमारे लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हम वास्तव में अलग हो सकते हैं और हमारे देश के लिए एक आशीष हो सकते हैं।

शालोम

पॉल स्वरुप

प्रार्थना क्रम

प्रार्थना की बुलाहट

"और अनन्त जीवन यह है, कि वे तुझ अद्वैत सच्चे परमेश्वर को और यीशु मसीह को, जिसे तू ने भेजा है, जाने।" (योहन्ना 17:3)

अगुआ	विशाल पॉल	
प्रारंभिक गीत	न. म. गी. कि. 1	वंदना करते हैं हम
तैयारी	क्रम संख्या 3 से 5	विशाल पॉल
प्रथम पाठ	प्रेरित 1:12-14	
दूसरा पाठ	1 पतरस 4:12-19	
गीत	न. म. गी. कि. 4	देखो देखो कोई आ रहा है
सुसमाचार	योहन्ना 17:1-11	विशाल पॉल
उपदेश		
निकाया का अक़ीदा	क्रम संख्या 14	सब
सूचनाएँ		पॉल स्वरूप
सिफ़ारशी दुआएँ	क्रम संख्या 16	
गुनाहों का इक़रार	क्रम संख्या 17- 19	विशाल पॉल
क्षमादान और शांति अभिवादन	क्रम संख्या 20 और 22	पॉल स्वरूप
प्रार्थना और हदिये का गीत	न. म. गी. कि. 104	मैं येशु के साथ नूर में
	जो लोग इस हफ्ते अपना जन्मदिन और सालगिरह मना रहे हैं.	
अन्तिम गीत	न. म. गी. कि. 343	मुबारक है वक्ते दुआ जब